



ताप वदियुत संयंत्रों द्वारा अक्षय ऊर्जा का उत्पादन

प्रलिस के लयि:

डसिकॉम, COP26, अक्षय ऊर्जा

मेन्स के लयि:

ताप वदियुत संयंत्रों द्वारा अक्षय ऊर्जा के उत्पादन हेतु जारी दशिश-नरिदेशों का महत्त्व

चरचा में क्यो?

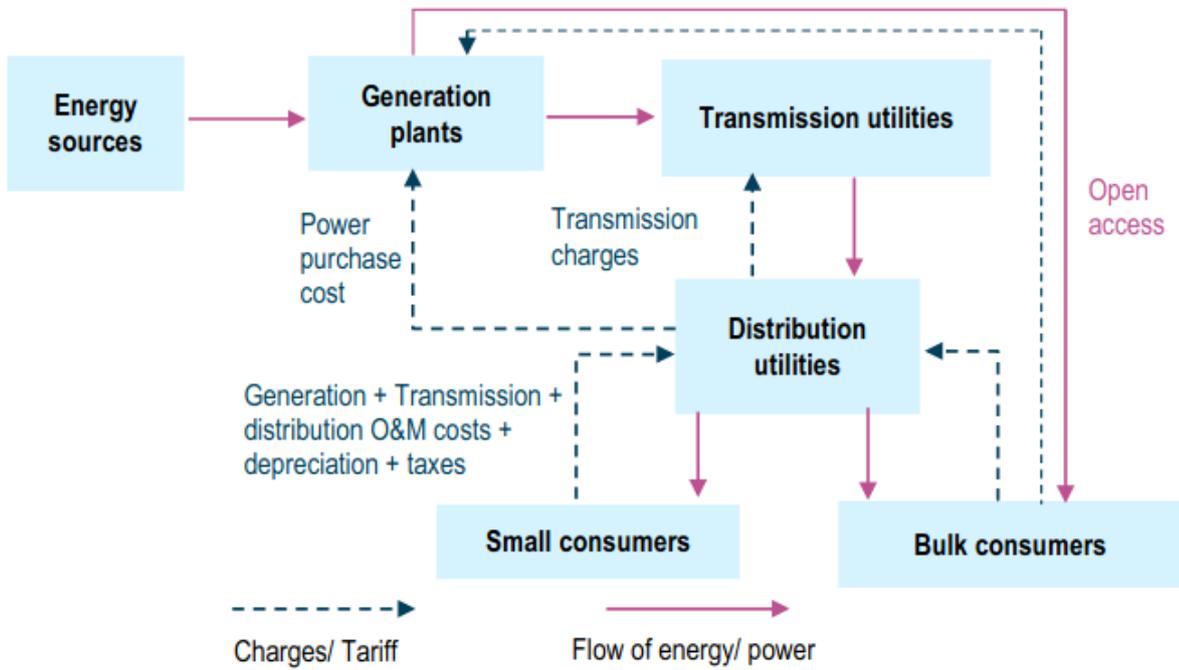
हाल ही में ऊर्जा तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालयों (Ministries of Power and New and Renewable Energy) द्वारा दशिश-नरिदेश जारी कयि गए है जो थर्मल उत्पादन कंपनयिों को मौजूदा बजिली खरीद समझौतों/पावर परचेज़ अग्रीमेंट (Power Purchase Agreements- PPAs) के तहत अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता (Renewable Energy Generation Capacity) स्थापति करने और उपभोक्ताओं को बजिली की आपूर्ति करने की अनुमति प्रदान करते हैं।

प्रमुख बदि

■ दशिश-नरिदेश:

- **हरति ऊर्जा के लयि अक्षय ऊर्जा का उत्पादन:** नए दशिश-नरिदेश अक्षय/थर्मल उत्पादन कंपनयिों को 'स्वयं' द्वारा या डेवलपर्स के माध्यम से खुली बोलयिों द्वारा अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापति करने और मौजूदा PPA के तहत उपभोक्ताओं को वदियुत की आपूर्ति करने की अनुमति देते हैं।
 - पावर परचेज़ अग्रीमेंट (PPA), या इलेक्ट्रिसिटी पावर अग्रीमेंट, दो पक्षों के मध्य एक अनुबंध है, जसिमें एक वदियुत का उत्पादन करता है (बजिली उत्पादन कंपनयिों (जेनकोस) और जो वदियुत खरीदना चाहता है (डसिकॉम)।
- **आरपीओ पूरक डसिकॉम:** डसिकॉम को योजना के अंतर्गत खरीदी गई अक्षय ऊर्जा की गणना अक्षय खरीद दायित्व (Renewable Purchase Obligation- RPO) के तहत करने की अनुमति होगी।
 - RPO एक ऐसा तंत्र है जसिके तहत राज्य वदियुत नयामक आयोग अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बजिली का एक नशिचिति प्रतशित खरीदने के लयि बाध्य होते हैं।
 - अक्षय ऊर्जा की मांग उत्पन्न करने के उद्देश्य से पूरे देश में RPO को लागू कयि जा रहा है।
- **RPO लक्ष्य:** आरपीओ के दीर्घकालकि वकिस प्रक्षेपवकर के तहत राज्यों को वतित वर्ष 2022 में अक्षय स्रोतों से प्राप्त वदियुत अनुपात को उनकी कुल खरीद के 21.2% तक बढ़ाने के लयि कहा गया है।
- **डसिकॉम के साथ फंड शेरगि:** अक्षय ऊर्जा के माध्यम से वदियुत उत्पादन की कम लागत से थर्मल पावर प्लांट को होने वाली कसि भी बचत को 50:50 के आधार पर डसिकॉम के साथ साझा कयि जाएगा।

Structure of Power Sector



//

■ महत्त्व:

- हरति ऊर्जा को बढ़ावा: यह मौजूदा PPAs के तहत नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा के प्रतिस्थापन को सक्षम करेगा।
- वैश्विक प्रतिबद्धताओं के साथ तालमेल: इस कदम का उद्देश्य [COP26 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अक्षय ऊर्जा की स्थापति क्षमता को वर्ष 2030 तक 500 GW तक बढ़ाना है।](#)

<p>PM MAKES FIVE PLEDGES</p> <ol style="list-style-type: none"> 1 India will increase its non-fossil energy capacity to 500GW by 2030 2 India will meet 50% of its energy requirements from renewable energy by 2030 3 India will reduce the total projected carbon emissions by one billion tonnes from now to 2030 4 By 2030, India will reduce the carbon intensity of its economy by 45% (from a previous target of 35%) 5 By 2070, India will achieve the target of net zero 	<p>WHAT IS NET ZERO?</p> <p>Net zero refers to a balance where emissions of greenhouse gases are offset by the absorption of an equivalent amount from the atmosphere. Experts see net zero targets as a critical measure to successfully tackle climate change and its devastating consequences</p>
<p>PLEDGES BY TOP THREE EMITTERS</p> <ul style="list-style-type: none"> 🇨🇳 CHINA: Beijing announced no new pledges on Monday. It previously pledged net zero by 2060. 🇺🇸 UNITED STATES: The US touted domestic legislation to spend \$555bn to boost renewable power and electric vehicles. It has pledged net zero by 2050. 🇮🇳 INDIA: The country's economy will become carbon neutral by the year 2070 	

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस